Nai Dunia (Indore), 28th March 2024, Nai Dunia City, Page - I

इंदौर ने गहन शोध की ओर बढ़ाए कदम

भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर ने अकादमिक एक्सीलेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। संस्थान द्वारा बुधवार को पहला एमओयू भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी आफ डेनवर (डीयू) के बीच हुआ। इस एमओयू पर आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने डीयू की कार्यकारी कुलपति प्रो. मैरी क्लार्क और आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस जोशी के साथ हस्ताक्षर किए। एमओयू के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिसर्च करने के लिए प्रेरित करने किया जाएगा। साथ ही दूसरा एमओयू आइआइएम इंदौर ने एम्स भोपाल और यूनिवर्सिटी आफ डेनवर के साथ किया। इस दौरान एम्स भोपाल के एग्जक्यूटिव डायरेक्टर प्रो. अजय सिंह ने प्रो. राय और प्रो. क्लार्क के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर प्रो. राय ने कहा कि यह त्रि-पक्षीय सहयोग अनूठा है और इससे प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए तीन प्रतिष्ठित संस्थानों की विशेषज्ञता एक साथ आएगी। इसके जरिए विद्यार्थियों को सीखने के नए अनुभव प्रदान किए जाएंगे और उन्हें वैश्विक कार्यबल की उभरती मांगों के लिए तैयार किया जाएगा। एम्स भोपाल के साथ किए गए एमओयू को लेकर प्रो. राय ने कहा कि यह शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र, दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण एमओयू है। एम्स भोपाल के साथ जुड़कर, हम प्रबंधन और स्वास्थ्य जैसे दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रिसर्च करने के लिए तैयार हैं।

इंदौर भले ही तमाम क्षेत्रों में अग्रणी शहर दिखता हो, लेकिन यहां शोध व अकादमिक एक्सीलेंस को लेकर स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। शिक्षा संस्थान हों या विश्वविद्यालय या फिर निजी स्तर के प्रयास, किंतु शोध को लेकर कोई अत्यंत उल्लेखनीय उपलब्धि इंदौर के नाम पर दर्ज नहीं है। किंतु अब शायद ऐसी स्थिति न रहे। दरअसल, आइआइएम इंदौर ने अमेरिका की यूनिवर्सिटी आफ डेनवर, आइआइटी इंदौर व भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से शोध को लेकर करार किया है। इस करार में गहन शोध के साथ-साथ स्वास्थ्य और प्रबंधन के क्षेत्र में रिसर्च के ठोस प्रयास किए जाएंगे।

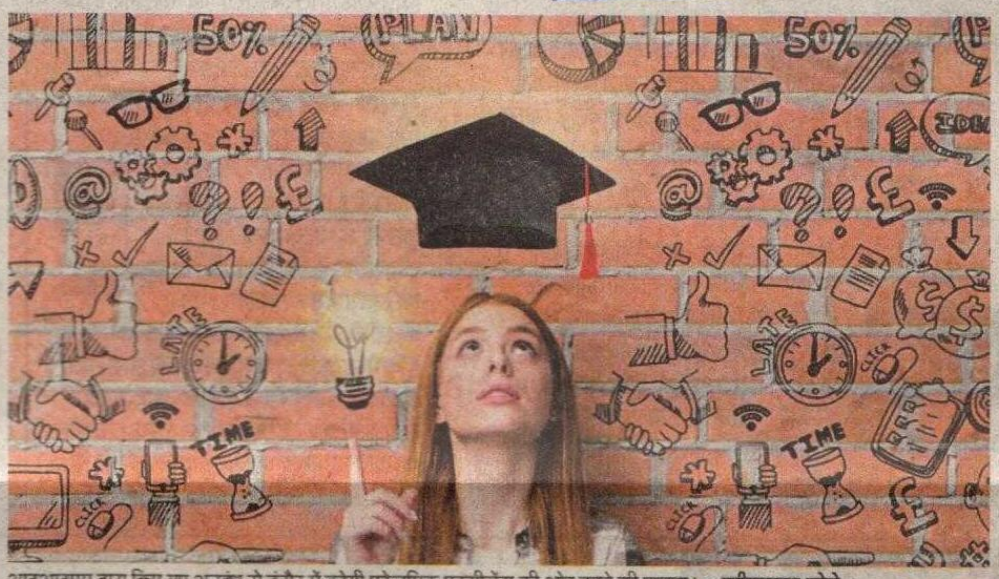

आइआइएम द्वारा किए गए अनुबंध से इंदौर में बढ़ेगी एकेडमिक एक्सीलेंस की ओर बढ़ने की ललक। ● प्रतीकात्मक फोटो

शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना हमारा लक्ष्य

प्रो. क्लार्क ने कहा कि ज्वाइंट रिसर्च, स्टूडेंट एक्सचेंज और सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से हमारा लक्ष्य एक जीवंत शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। इससे नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा। आइआइटी इंदौर और आइआइएम इंदौर की संयुक्त विशेषज्ञता सभी विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान में शामिल होने और विविध दृष्टिकोणों को समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती हैं।

आइआइएम लगातार कर रहा श्रेष्ठ अनुबंध

आइआइएम इंदौर छात्रों के कौशल और विकास के लिए समय-समय पर देश ही नहीं बल्कि विदेशों की यूनिवर्सिटी और कालेजों के साथ एमओयू करता रहा है। इसी क्रम में आइआइएम ने एडम स्मिथ बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी आफ ग्लासगो ने ग्लोबल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत की थी। यह सर्टिफिकेट कोर्स उद्यमियों को प्रबंधन के क्षेत्र में तैयार करेगा। वर्षों पहले संस्थान ने मिलिट्री कालेज आफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग महू के साथ भी एमओयू किया था। इस तरह आइआइएम इंदौर अलग-अलग क्षेत्रों के कालेजों के साथ एमओयू करके छात्रों को हर विधा में महारथी बना रहा है। इसके अलावा कानून व्यवस्था में सुधार, ट्रैफिक मैनेजमेंट और स्थानीय कला को प्रमोट करने के लिए संस्थान ने कई एमओयू साइन किए हैं।

सस्टेनेबिलिटी को दे रहा बढ़ावा

आइआइएम इंदौर ने पर्यावरण की बेहतरी के लिए अपने 193 एकड़ परिसर के विभिन्न भवनों की छत पर सोलर पैनल स्थापित किए हैं। इससे बिजली की खपत में कमी आई है। इसके चलते संस्थान ने अपने पुराने आडिटोरियम, प्रशासनिक ब्लाक, विद्यार्थियों के पांच छात्रावास, मेस और एकेडमिक ब्लाक में 4600 वर्ग मीटर के रूफटाप पर पैनल लगाए हैं। इससे छह महीने में संस्थान को बिजली की खपत में 11.8 फीसद की बचत हुई थी।

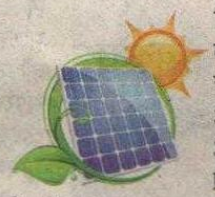

बिजनेस स्कूलों में हासिल किया बड़ा मुकाम

आइआइएम इंदौर ने महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रभाव वाले शीर्ष बिजनेस स्कूल के तहत एडुनिवर्सल 4 पाल्म्स रैंकिंग 2022 में भारत के सभी बी-स्कूलों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। संस्थान ने इस श्रेणी में सभी आइआइएम की सूची में भी दूसरा स्थान हासिल किया है। हर वर्ष एडुनिवर्सल रैंकिंग के अंतर्गत नौ भौगोलिक क्षेत्रों से शीर्ष बिजनेस स्कूलों को पुरस्कृत किया जाता है। इनमें अफ्रीका, मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप, यूरेशिया, मध्य पूर्व, सुदूर पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी यूरोप और ओशनिया शामिल हैं। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल फ्रेम वर्क रैंकिंग (एनआइआरएफ) 2023 में आइआइएम इंदौर को आठवां स्थान मिला था। वहीं संस्थान को प्रतिष्ठित फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) रैंकिंग 2023 में 89वां स्थान मिला है।

एम्स भोपाल के साथ एमओयू करते हुए आइआइएम के निदेशक प्रो. हिमांशु राय, प्रो. मैरी क्लार्क और प्रो. अजय सिंह। सौ. संस्थान

आइआइएम के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने प्रो. मैरी क्लार्क और प्रो. सुहास एस जोशी के साथ किया त्रिपक्षीय समझौता। सौ. संस्थान